श्रीः

श्रीमते निगमान्त महादेशिकाय नमः

श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

पॆरियाऴ्वार् अरुळिच्चॆय्द

॥ नॆय्क्कुडत्तै ॥

This document has been prepared by*

Sunder Kidambi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

---

*This was typeset using skt, LaTeX, Itrans, **skt** and the **xdvng** font.

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ नॆय्क्कुडत्तै ॥

अरवणैयादियान् काप्पार्पिणि पोक्कल्

‡नॆय् क्कुडत्तै प्पट्रि⋆ एरुम् एरुम्बुगळ् पोल् निरन्दु⋆ एङ्गुम्
कै क्कॊण्डु निर्किन्ऱ नोय्गाळ्! ⋆ कालम् पॆऱ उय्य प्पोमिन्⋆
मॆय् क्कॊण्डु वन्दु पुगुन्दु⋆ वेद प्पिरानार् किडन्दार्⋆
पै क्कॊण्ड पाम्बणैयोडुम्⋆ पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे॥१॥

चित्तिरगुत्तन् एळुत्ताल्⋆ तॆन्पुल क्कोन् पॊऱि ऒट्रि⋆
वैत्त इलच्चिनै माट्रि⋆ तूदुवर् ओडि ऒळित्तार्⋆
मुत्तु त्तिरै क्कडऱ् चेर्प्पन्⋆ मूदरिवाळर् मुदल्वन्⋆
पत्तर्क्कमुदन् अडियेन्⋆ पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे॥२॥

वयिट्रिल् तॊळुवै प्पिरित्तु⋆ वन्पुल च्चेवै अदक्कि⋆
कयिट्रुम् अक्काणि कळित्तु⋆ क्कालिडै प्पाशम् कळट्रि⋆
एयिट्रिडै मण् कॊण्ड एन्दै⋆ इराप्पगल् ओदुवित्तु⋆ एन्नै
प्पयिट्रि प्पणिशॆय्य क्कॊण्डान्⋆ पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे॥३॥

Attention: New letters have been introduced to facilitate reading Tamil texts in Devanaagarii. Distinction has been made between certain short and long consonants that do not exist in Devanaagarii. For e.g., नॆ and ने should be treated with the same distinction as that exists between नि and नी. The letters ऎ and ए, and ऒ and ओ, should be treated in the same way. The letter ळ denotes the *za* in Tamil. For e.g., *aazvaar* would be written as आळ्वार् in Devanaagarii. There is a subtle difference between ऱ and र, however, they can be pronounced in the same way. Also note that ट्र sounds almost like ट्, ट्रि like ट्टि, and so on. The consonant-cluster न्ऱ is pronounced somewhere between न्र and न्ड्. It is, however, colloquially acceptable to pronounce the clusters ट्र and न्ऱ as त्त and न्न, respectively.

मङ्गिय वल्विनै नोय्गाळ् ! ⋆ उमक्कुम् ओर् वल्विनै कण्डीर् ⋆
इङ्गु प्पुगेन्मिन् पुगेन्मिन् ⋆ ऎळिदन्ऱु कण्डीर् पुगेन्मिन् ⋆
शिङ्ग प्पिरान् अवन् ऎम्मान् ⋆ शेरुम् तिरुक्कोयिल् कण्डीर् ⋆
पङ्गप्पडादुय्य प्पोमिन् ⋆ पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ ४ ॥

माणि क्कुऱळ् उरुवाय ⋆ मायनै ऎन् मनत्तुळ्ळे ⋆
पेणि क्कॊणरन्दु पुगुद वैत्तु क्कॊण्डेन् ⋆ पिऱिदिन्ऱि ⋆
माणिक्क प्पण्डारम् कण्डीर् ⋆ वलि वन् कुऱम्बर्गळ् उळ्ळीर् ! ⋆
पाणिक्क वेण्डा नडमिन् ⋆ पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ ५ ॥

उऱ्ऱ उऱुबिणि नोय्गाळ् ! ⋆ उमक्कॊन्ऱु शॊल्लुगेन् केण्मिन् ⋆
पॆऱ्ऱङ्गळ् मेय्क्कुम् पिरानार् ⋆ पेणुम् तिरुक्कोयिल् कण्डीर् ⋆
अऱ्ऱम् उरैक्किन्ऱेन् ⋆ इन्नम् आऴिवनैगाळ् ! ⋆ उमक्किङ्गोर्
पऱ्ऱिल्लै कण्डीर् नडमिन् ⋆ पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ ६ ॥

कॊङ्गै च्चिऱुवरै ऎन्नुम् ⋆ पॊदुम्बिनिल् वीऴ्न्दु वऴुक्कि ⋆
अङ्गोर् मुऴैयिनिल् पुक्किट्टु ⋆ अऴुन्दि क्किडन्दुऴल्वेनै ⋆
वङ्ग क्कडल् वण्णन् अम्मान् ⋆ वल्विनै आयिन माऱ्ऱि ⋆
पङ्ग प्पडावण्णम् शॆय्दान् ⋆ पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ ७ ॥

एदङ्गळ् आयिन ऎल्लाम् ⋆ इऱङ्ग विडुवित्तु ⋆ ऎन्नुळ्ळे
पीदग वाडै प्पिरानार् ⋆ पिरम गुरुवागि वन्दु ⋆
पोदिल् कमल वन् नॆञ्जम् ⋆ पुगुन्दुम् ऎन् शॆन्नि त्तिडरिल् ⋆
पाद इलच्चिनै वैत्तार् ⋆ पण्डन्ऱु पट्टिनम् काप्पे ॥ ८ ॥

‡उऱगल् उऱगल् उऱगल् ⋆ ऒण्शुडर् आऴिये ! शङ्गे ! ⋆
अऱ ऎऱि नान्दग वाळे ! ⋆ अऴगिय शार्ङ्गमे ! तण्डे ! ⋆
इऱवु पडामल् इरुन्द ⋆ ऎण्मर् उलोग पालीर्गाळ् ! ⋆
पऱवै अरैया ! उऱगल् ⋆ पळ्ळियऱै क्कुऱिक्कॊण्मिन् ॥ ९ ॥

‡अरवत्तमळियिनोडुम् ⋆ अऴगिय पार्कडलोडुम् ⋆
अरविन्द प्पावैयुम् तानुम् ⋆ अगम्पडि वन्दु पुगुन्दु ⋆

परवै त्तिरै पल मोद⋆ प्पळ्ळि कॊळ्गिन्ऱ पिरानै⋆
परवुगिन्ऱान् विट्टुशित्तन्⋆ पट्टिनम् कावऱ् पॊरुट्टे ॥१०॥

॥ पॆरियाऴ्वार् तिरुवडिगळे शरणं ॥